UP Board Notes Class 8 English Chapter 4 A Visit To Cambridge

WORD MEANINGS (शब्दार्थ)
metaphor : रूपक, **astrophysicist** – तारा भौतिकविद्, **exhaustion** – बहुत थकाने वाला, **exhilaration**: रोमांच, **inflection** – बोलते समय सुर में उतार चढ़ाव, **propelled** – आगे की ओर व्यक्ति या वस्तु को धकेलना, **claustrophobic** – छोटे बंद स्थानों से अत्याधिक भयभीत।।

Aपाठ का हिन्दी अनुवाद)।

This is the.....wheelchair.
हिन्दी अनुवाद- यह कहानी ऐसे दो दिग्गजों की जो शारीरिक रूप से अक्षम थे। खगोल शास्त्री स्टीफन हॉकिंग और प्रसिद्ध लेखक व पत्रकार फिरदौस कांगा। दोनों ही व्हील चेयर के सहारे चलनेवाले। स्टीफन के ही एक अन्य रूप लकवा बीमारी से ग्रस्त और कांगा हड्डियों की एक दुर्लभ बीमारी से पीड़ित।

Cambridge was ..... patrorite me.
" हिन्दी अनुवाद- इंग्लैंड की यात्रा में लेखक फिरदौस कांगा को अन्य स्थानों के साथ कैम्ब्रिज भी जाना जरूरी था क्योंकि उसके लिए इंग्लैंड कैब्रिज का दूसरा नाम था। यात्रा के दौरान उसके गाइड ने उसे स्टीफन हॉकिंग के बारे में बताया जो कि खगोल भौतिकी का विशेषज्ञ थे और साथ ही वह 'ए ब्रीफ हिस्टरी आफ टाइम' के मशहूर लेखक भी थे। स्टीफन कैब्रिज यूनिवर्सिटी में पढ़ाते थे। वह अशक्तता की बीमारी से पीड़ित हो गए और उनका शरीर विघटित होने लगा। वे खड़ा भी नहीं हो सकते थे और न ही अपने हाथ-पैर हिला सकते थे। लेखक ने एक साक्षात्कार के लिए उनके घर फोन मिलाया। उसे आधा घंटा दे दिया गया। उसे घबराहट और कमजोरी महसूस हो रही थी। एक अन्य अपाहिज से मिलना, जो उससे .. अधिक सफल है, एक प्रोत्साहित करने वाला अनुभव था। उसने स्टीफन से पूछा कि उन्हें अपनी अपाहिजता पर कैसा लगता है। उन्होंने साहसी होने का बिल्कुल दावा नहीं किया। उन्होंने माना कि उनके पास कोई और चारा नहीं था। उन्होंने कहा कि अपाहिजता कोई सुखद अहसास नहीं है। लेखक ने उनसे पूछा क्या वह दुखी रहते हैं? स्टीफन ने कहा कि उन्हें सांत्वना देने वाले और तारीफ करने वाले पसंद नहीं। |

And do you .....Summer evening.
" हिन्दी अनुवाद- वे अकेला रहना चाहते थे और चाहते थे कोई उन्हें परेशान न करे। स्टीफन आसानी से थक जाते थे। उनका सिर एक तरफ गिरा हुआ था। उनके पैर टेढ़े थे और शरीर सिकुड़ा हुआ था। उनके कमजोर शरीर में उनकी बुद्धिमत्ता इस प्रकार थी जैसे कमजोर दीवारों में लालटेन की रोशनी हो। लेखक ने जल्दी से कुछ और प्रश्न पूछे। स्टीफन के उत्तर बिल्कुल साफ, सच्चे और स्पष्ट थे। उन्होंने कहा कि अपाहिज होने में कोई अच्छी बात नहीं है और लोगों की तारीफें उन्हें किसी प्रकार की प्रसन्नता या ताकत नहीं देती हैं। उन्होंने दूसरे अपाहिजों को अपना संदेश दिया कि उन्हें केवल उस विषय पर ध्यान देना चाहिए जिसमें वे अच्छे हैं। उन्हें विकलांग ओलम्पिक खेलों में हिस्सा लेने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि उनसे समय नष्ट होता है। साक्षात्कार का समय पूरा हो गया था और लेखक स्टीफन से विदा लेना चाहता था। परंतु स्टीफन उसे अपने बड़े बगीचे में ले गए। एक घंटे पश्चातू उन्होंने अलग होने का फैसला किया। लेखक ने स्टीफन के कंधे को छुआ और वहाँ से चला गए।

https://www.evidyarthi.in/